7.25 लाख करोड़ के निवेश करार धरातल पर उतारने की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : अयोध्या में प्रभु श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के भव्य आयोजन के बाद अब योगी सरकार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट गई है। फरवरी में प्रस्तावित जीबीसी के लिए 7.25 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतारने को पूरी तरह से तैयार हैं। निवेश आकर्षित करने से लेकर उन्हें धरातल पर उतारने में प्रदेश के प्राधिकरणों का प्रदर्शन बेहतर आंका गया है। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण (जीनीडा), उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा), उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा), गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा), न्यू ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (नोएडा) व यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने जीएसआइ के दौरान 9.25 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए थे। इनमें जीबीसी के लिए 4.25 लाख करोड़ रुपये के निवेश को धरातल पर उतारने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके सापेक्ष 23 जनवरी तक 4.5 हजार निवेश प्रस्ताव जीबीसी के लिए तैयार किए गए हैं। इसके माध्यम से प्रदेश में 3.10 लाख करोड़ रुपये के निवेश को धरातल पर उतारा जा सकेगा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने जीबीसी के लिए निर्धारित लक्ष्य का 100 प्रतिशत से अधिक हासिल कर लिया है। जीबीसी के लिए यीडा का लक्ष्य 43,750 करोड़ रुपये तय किया गया था। यीडा ने इससे कहीं अधिक 280 प्रोजेक्ट्स को जीबीसी के लिए तैयार कर लिया है, इनके माध्यम से 45 हजार करोड़ से अधिक का निवेश धरातल पर उतारने की तैयारी है। बता दें कि फरवरी- 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआइएस) में प्रदेश सरकार को 38 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, अब जीबीसी के माध्यम से इनके भूमि पूजन की तैयारी की जा रही है।

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी

- निवेश को धरातल पर उतारने में खरे उतरे विकास प्राधिकरण
- यीडा ने निर्धारित लक्ष्य का 100 प्रतिशत से अधिक लक्ष्य हासिल कर लिया
- 45 हजार करोड़ रुपये के प्रस्ताव भूमि पूजन को तैयार